International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED)
ISSN: 2320-8708, Vol. 10 Issue 3, May-June, 2022, Impact Factor: 7.326

हिन्दी भाषा : विज्ञान

जितेन्द्र कौर

सहायक हिन्दी प्रवक्ता, सी.एम.के. नेशनल पी.जी गर्ल्ज कॉलेज़, सिरसा

''भाषा विज्ञान एक यौगिक शब्द है''

भाषा और विज्ञान, भाषा विज्ञान का साक्षात संबंध भाषा से है। भाषा का संबंध मानव से है। भाषा के माध्यम से मानव अपने भावों और विचारों को अभिव्यक्त करता है। विज्ञान का अर्थ विशिष्ट ज्ञान। भाषा के विशिष्ट ज्ञान को ही भाषा विज्ञान कहा जाता है।

भाषा विज्ञान शब्द मूल रुप से पाश्चात्य विद्वानों की देन है। प्राचीन समय में भाषा विज्ञान के अध्ययन के लिए अलग–अलग शब्दों का प्रयोग किया– शिक्षा, निरूक्त, व्याकरण, प्रातिशाख्य आदि। पाश्चात्य देशों में भाषा विज्ञान के अध्ययन के लिए कई नाम दिये गये हैं– कम्पेरेटिव ग्रामर, फिलॉलोजी, साईज़ ऑफ लेग्वेज, वर्तमान में लिंग्विस्टिक है।[1]

इस प्रकार प्राचीन समय में भाषा विज्ञान विषयक अध्ययन के लिए व्याकरण, शब्दानुशासन, शब्दशास्त्र, निर्वचन शास्त्र आदि शब्द प्रचलित थे। वर्तमान में तुलनात्मक भाषा विज्ञान, भाषा विज्ञान शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

भाषा की प्रकृति, उसके गठन, उसके व्यवहार के बारे में जानना ही भाषा विज्ञान है। भाषा के वैज्ञानिक और विवेचनात्मक अध्ययन को ही भाषा विज्ञान कहा जाएगा।

परिभाषाएँ

डॉ० मंगलदेव शास्त्री के अनुसार– ''भाषा विज्ञान उस विज्ञान को कहते हैं, जिसमें सामान्य रुप से मानवीय भाषा का, किसी विशेष भाषा की रचना और इतिहास आदि का अंततः भाषाओं का प्रादेशिक भाषाओं का तुलनात्मक विचार किया जाता है।[2]

बाबू श्यामसुन्दर दास के अनुसार– ''भाषा विज्ञान उस शास्त्र को कहते हैं जिसमें भाषा मात्र के भिन्न–भिन्न अंगों और स्वरुपों का विवेचन और निरूपण किया जाता है।''[3]

डॉ० कपिल देव द्विवेदी अनुसार– ''भाषा विज्ञान वह विज्ञान है, जिसमें भाषा का सर्वांगिण विवेचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया जाता है।[4]

डॉ० देवेन्द्रनाथ शर्मा के मतानुसार भाषा विज्ञान का अर्थ है– ''भाषा का विज्ञान और विज्ञान का अर्थविशिष्टज्ञान। इस प्रकार भाषा का विशिष्ट ज्ञान भाषा विज्ञान कहलायेगा।[5]

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर कहा जा सकता है कि भाषा विज्ञान में भाषा के तत्वों का मुख्य रूप से अध्ययन किया जाता है। जिसमें भाषा के अंग, भाषा की प्रकृति, भाषा अध्ययन की पद्धतियों, भाषा के विकास नियमों पर विचार किया जाता है। भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन ही भाषा विज्ञान है।

भाषा विज्ञान के अंग–

भाषा विज्ञान का आधार भाषा है। भाषा के मुख्य दो अंग हैं– शब्द और अर्थ। शब्द भाषा का शरीर और अर्थ भाषा का प्राण है। इस प्रकार भाषा विज्ञान की मुख्य दो शाखाएँ हुई– शब्द विज्ञान और अर्थ विज्ञान। भाषा की प्रत्येक ईकाई– शब्द, ध्वनि, पद, वाक्य आदि का भाषा विज्ञान के अंतर्गत अध्ययन किया जाता है। ध्वनि भाषा की लघु ईकाई है। ध्वनियों की सार्थक इकाइयां शब्द का निर्माण करती है। शब्द वाक्य में प्रयुक्त होकर पद

कहलाता है और पदो ंके समूह को वाक्य कहते हैं। इस प्रकार भाषा विज्ञान के प्रमुख अंग हैं– ध्वनि विज्ञान, पदविज्ञान, वाक्यविज्ञान, अर्थविज्ञान आदि।

ध्वनि विज्ञान– ध्वनि भाषा की छोटी इकाई है। ध्वनियावाणी के अध्ययन करने वाले विज्ञान को ध्वनि विज्ञान कहते है। ध्वनि क्या है? ध्वनियां कैसे उत्पन्न होती हैं? उसका सम्प्रेक्षण कैसे होता है? इस प्रकार ध्वनि विज्ञान में ध्वनि के विभिन्न नियमों का अध्ययन किया जाता है।

वाक्य विज्ञान– वाक्य भाषा की सार्थक ईकाई है। वाक्य की संरचना, वाक्य परिवर्तन, वाक्यभेद, वाक्यों का परस्पर संबंध, शब्द पदों का आपेक्षिक क्रम आदि विषयों का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है।

अर्थ विज्ञान– शब्द और अर्थ का पारस्परिक गहरा संबंध है। शब्द भाषा का शरीर है और अर्थ भाषा की आत्मा है। अर्थविज्ञान को अर्थविचार भी कहते हैं। इसमें अर्थ किसे कहते हैं? शब्द और अर्थ का क्या संबंध है? अर्थ का निर्धारण कैसे हुआ? अर्थपरिवर्तन क्यों और कैसे होता है? का अध्ययन करने वाले विज्ञान को अर्थविज्ञान कहते हैं।

भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ–

मुख्य रुप से भाषा विज्ञान के अध्ययन की तीन पद्धतियाँ हैं। वर्णनात्मक पद्धति यह पद्धति किसी विशिष्ट काल की विशिष्ट भाषा का विवेचनात्मक स्वरूप प्रस्तुत किया जाता है। एतिहासिक पद्ध में भाषा के क्रमिक विकास का इतिहास प्रस्तुत किया जाता है कि भाषा का आदिकाल, मध्यकाल, वर्तमान रूप क्या है? इस प्रकार विभिन्न कालों का अध्ययन किया जाता है। तुलनात्मक पद्धति में दो या दो से अधिक भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन किया जाता है।

भाषा विज्ञान की उपयोगिता–

भाषा विज्ञान के द्वारा मौखिक लिखित साहित्यिक एवं देशज, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सभी प्रकार की भाषाओं का अध्ययन किया जाता है। भाषा विज्ञान की उपयोगिता का महत्व इसलिये भी है कि उसमें भाषा और भाषा वर्ग के विविध पक्षों का अध्ययन वैज्ञानिक दृष्टि कोण से किया जाता है और भाषा को विकासोन्मुख बनाया जाता है। भाषा का स्वरुप, गठन, टकृति का अध्ययन किया जाता है। भाषा विज्ञान के अध्ययन द्वारा यह जान पाते है कि भाषा विज्ञान का ध्वनि, शब्द, वाक्य, अर्थ से गहरा संबंध है।

- भाषा विज्ञान हमारी भाषा विषयक जिज्ञासाओं को शांत करता है।
- भाषा विज्ञान के द्वारा भाषा का सूक्ष्मतम अध्ययन किया जाता है।
- भाषा विज्ञान के अध्ययन से समाज और संस्कृति अध्ययन में सहायता मिलती है।
- वक–चिकित्सा के क्षेत्र में तुतलाहट, हकलाहट के कारणों की खोज करने व उसे दूर करने में भाषा विज्ञान सहायक सिद्ध होता है।
- भाषा विज्ञान भाषाएं एवं साहित्य के इतिहास को सूक्ष्म रुप से ज्ञान में विशेषित करने में सहायक है।
- भाषा विज्ञान की सहायता से अनेक भाषाओं का ज्ञान सरलता से प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही भाषा विज्ञान विश्व की प्रमुख भाषाओं का ज्ञान कराकर हमारे अन्दर विश्वबन्धुत्व की भावना का संचार करती है।
- दूर–संचार तथा यांत्रिक प्रतीकात्मक अनुवाद के लिए भाषा विज्ञान की सहायता ली जाती है। भाषा विज्ञान के संकेतों के द्वारा दूर–संचार पद्धति के लिए आवश्यक संकेत उपलब्ध होते हैं। भाषा विज्ञान आधुनिक संचार प्रक्रिया में भावसम्प्रेषण में सहायक सिद्ध होता है।
- विभिन्न भाषाओं के ग्रंथों का अन्य भाषाओं में करने, प्राचीनग्रन्थों के अर्थग्रहण करने में भाषा विज्ञान सहायक है।
- भाषा विज्ञान का अन्य विषयों जैसे– भाषा विज्ञान और साहित्य, भौतिक विज्ञान, मनोविज्ञान, भूगोल, समाजशास्त्र, दर्शन, इतिहास आदि से संबंध है।

इस प्रकार भाषा विज्ञान का महत्व एवं उपयोगिता उपरोक्त तथ्यों से यह साबित होता है कि भाषा विज्ञान अनुसंधान एवं प्रयोगात्मक प्रक्रिया है। भाषा विज्ञान के अध्ययन से भाषा की शुद्धता व समुचित प्रयोग, समाज

और संस्कृति, साहित्य के आस्वादन और साहित्य शास्त्र का ज्ञान प्राप्त होता है। चिकित्सा, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र, व्यवसायिक, एतिहासिक क्षेत्रों में भाषा विज्ञान का महत्व है। संक्षेप में भाषा विज्ञान वह विज्ञान है जिसमें भाषा संबंध के विभिन्न प्रकारों से व पद्धतियों से अध्ययन किया जाता है। भाषा विज्ञान की उपयोगिता विश्वस्तर भाषाओं की विकासोंन्मुखगतिविधियों से जुड़ी हुई है।

संदर्भ सूची

[1] 'भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र' : डॉ० कपिल देव द्विवेदी, पृ० 5
[2] 'तुलनात्मक भाषा शास्त्र' : डॉ० मंगल देव शास्त्री, पृ० 3
[3] 'भाषा विज्ञान' : डॉ० श्यामसुन्दर दास, पृ० 54
[4] 'भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र' : डॉ० कपिल देव द्विवेदी, पृ० 6
[5] 'भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र' : डॉ० कपिल देव द्विवेदी, पृ० 5
[6] 'भाषा विज्ञान की भूमिका' : डॉ० देवेन्द्रनाथ शर्मा, पृ० 176